सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 80 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 25 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

8 पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन

नगर निकाय चुनाव में 'दम' के सहारे ... 2 | कर्नाटक चुनाव से बढ़ेगी राहुल... 3 | देश हित में एकजुट हो सारा... 7

सरकार से पहलवान निराश, अब सुप्रीम कोर्ट से आस

शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया | **अर्जी पर शुक्रवार को होगी सुनवाई** | **दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी** | **सीजेआई ने कहा-मामला गंभीर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार के दरवाजे पर कई बार दस्तक देने के बाद पहलवानों ने निराश होकर सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शीर्ष अदालत ने पहलवानों की अर्जी स्वीकार करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दिया है। वहीं शुक्रवार (28 अप्रैल) को इस मामले की सुनवाई होगी। पहलवानों ने कहा कि शिकायत देने के बावजूद पुलिस उनकी सुनने को तैयार नहीं है।

पुलिस बृजभूषण के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने को तैयार नहीं है। पहलवानों ने कहा कि मंच पर सभी राजनीतिक दलों का स्वागत है। चाहे वह भाजपा कांग्रेस आप या कोई अन्य पार्टी हो। सर्वोच्च न्यायालय में सात महिला पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ याचिका दायर की है। अदालत ने इनकी याचिका पर संज्ञान लेने के साथ ही आदेश भी दिया है कि सभी महिला याचिकाकर्ताओं के नाम न्यायिक रिकॉर्ड से हटाए जाएं ताकि उनकी पहचान उजागर न हो सके।

तीसरे दिन भी धरने पर खिलाड़ी

कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ पहलवानों ने इसी साल जनवरी में मोर्चा खोला था। उस समय खेल मंत्रालय ने पहलवानों से बातचीत के बाद मैरी कॉम की अध्यक्षता में निगरानी समिति का गठन किया था। इस समिति को आरोपों पर जांच के साथ ही कुश्ती संघ का रोज का काम भी देखना था। चार दिन पहले 21 अप्रैल को खिलाड़ियों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए मोर्चा खोला। उसी दिन दिल्ली पुलिस में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर को लेकर शिकायत दी गई। खिलाड़ियों का आरोप है कि दिल्ली पुलिस ने सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद 23 अप्रैल को खिलाड़ी एक बार फिर से जंतर-मंतर पर धरना देने पहुंचे।

राज्यसभा सांसद भी पहुंचे

वहीं, आप से राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि पहलवानों को न्याय के लिए दोबारा धरने पर बैठना पड़ा। सरकार सुन नहीं रही और पुलिस केस दर्ज नहीं कर रही। गुप्ता ने कहा कि सरकार से अनुरोध है कि खिलाड़ियों की मांगों पर कार्रवाई करें। तुरंत बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए।

आरोप गंभीर हैं और विचार की जरूरत : चंद्रचूड़

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों ने याचिका में यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले पर अदालत द्वारा विचार किए जाने की जरूरत है। दरअसल कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर जल्द सुनवाई की मांग की है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इसपर पूछा कि क्या याचिका है, कौन पक्षकार हैं और क्या मांग हैं, सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सात महिला पहलवानों ने याचिका दी है। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं की जा रही है और एफआईआर दर्ज करने की याचिका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोप गंभीर हैं और विचार की जरूरत है।

हमारे साथ राजनीति हो रही : बजरंग पूनिया

पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि हमारे साथ राजनीति हो रही है। धरनास्थल पर न तो पानी आने दिया जा रहा है और न ही समर्थन करने वालों को प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें धमकी दी जा रही है साथ ही पैसों का लालच भी दिया जा रहा है। हम किसी भी पार्टी से जुड़े नहीं हैं पर सबका साथ चाहते हैं। पिछली बार जनवरी में पहलवानों ने किसी भी पार्टी के नेताओं को मंच पर नहीं आने दिया था। पूनिया ने देश के सभी खिलाड़ियों से समर्थन मांगने के संबंध में ट्वीट किया कि आज कुश्ती खिलाड़ियों के साथ खड़े होने की जरूरत है। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी कर लोगों से समर्थन के लिए जंतर-मंतर पहुंचने की अपील की है। पहलवानों ने हरियाणा की खाप पंचायतों से भी समर्थन मांगा है।

कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक

पहलवानों के धरने पर बैठने के अगले दिन सोमवार को खेल मंत्रालय ने बड़ा फैसला लेते हुए कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक लगा दी. ये चुनाव अगले महीने होने वाले थे। खेल मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) एक एडहॉक कमेटी बनाएगा। यही कमेटी 45 दिनों के अंदर कुश्ती महासंघ का चुनाव करवाएगी। आईओए की कमेटी ही खिलाड़ियों का सेलेक्शन भी करेगी और फेडरेशन का रोज का कामकाज भी देखेगी।

मुस्लिम आरक्षण हटाने के मामले पर 9 मई को सुनवाई

» सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सरकार ने दी गारंटी-नई नियुक्ति या एडमिशन नहीं किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुस्लिमों के चार प्रतिशत आरक्षण को हटाने के सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई तक सुनवाई टाल दी है।

वहीं कर्नाटक सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि 9 मई तक

सरकार के नए आदेश के मुताबिक कोई नई नियुक्ति या एडमिशन नहीं किया जाएगा। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने बीते दिनों कर्नाटक में मुसलमानों को मिला चार प्रतिशत आरक्षण खत्म कर उसे लिंगायत और वोक्कालिगा में दो-दो प्रतिशत बांटने का एलान किया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं।

यूपी बोर्ड में बालिकाओं ने फिर मारी बाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने टॉपर्स की लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें सीतापुर की प्रियांशी सोनी ने हाई स्कूल में टॉप किया। प्रियांशी सीता बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महमूदाबाद की छात्रा हैं। वहीं 12वीं में महोबा के शुभ टॉप पर रहे। इसबार फिर बालिकाओं ने बाजी मारी है। बिना पुनर्परीक्षा वर्ष 2023 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा संपन्न कराकर 30 वर्ष का रिकार्ड तोड़ने के बाद यूपी बोर्ड ने अब परिणाम घोषित करने के मामले में पिछले सौ वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया है।

बोर्ड के सौ वर्ष के इतिहास में इससे पहले कभी इतने कम समय में परिणाम घोषित नहीं किया जा सका है। पुराने रिकॉर्ड पर नजर डाले तो अब तक अप्रैल में सिर्फ दो बार यूपी बोर्ड

सीतापुर की प्रियांशी ने 10वीं में किया टॉप

महोबा के शुभ ने 12वीं में किया टॉप

89.78 प्रतिशत हाईस्कूल का रिजल्ट

75.52 प्रतिशत रिजल्ट इंटर का रिजल्ट

के नतीजे घोषित किए गए हैं। एक बार 2018 में 29 अप्रैल को तथा दूसरी बार 2019 में 27 अप्रैल को। ऐसे में यूपी बोर्ड इस बार 27 अप्रैल से पहले 25 अप्रैल को रिजल्ट घोषित कर एक और रिकॉर्ड स्थापित किया है। यूपी बोर्ड 2023 की परीक्षा में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 58,85,745 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। यूपी बोर्ड की कक्षा 10 और 12 की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने का कार्य 18 मार्च से शुरू हुआ था। कॉपियों के मूल्यांकन के लिए 1,43,933 परीक्षक लगे थे। ओएमआर शीट पर पहली बार हुई हाईस्कूल की 20 अंकों की परीक्षा का मूल्यांकन परीक्षा के दौरान ही शुरू करा दिया गया था। मूल्यांकन का कार्य रिकॉर्ड तोड़ते हुए निर्धारित तारीख एक अप्रैल से पहले ही यानी 31 मार्च को ही पूरा कर लिया गया था। रिकार्ड के संकेत पहली बार तय तिथि के एक दिन पहले संपन्न हुए मूल्यांकन से मिल भी गए हैं।

नगर निकाय चुनाव में 'दम' के सहारे बसपा

मायावती ने बड़ी तादाद में उतारे मुस्लिम प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने सभी नगर निगमों में मेयर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। बसपा प्रमुख मायावती ने जिस तरह से 11 मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है, उससे उनका राजनीतिक संदेश बेहद साफ है। वह दलित(द) व मुस्लिमों (म)के सहारे नगर निकायों में काबहज होने की कोशिश में जुटी हैं।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो उनके ऐसा करने की बड़ी वजह, मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में लाना है। जो पिछले विधान सभा चुनाव में उनसे छिटक गया था जबकि अगर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में बसपा को बेहतर प्रदर्शन करना है तो उन्हें इस वोटबैंक की दरकार है। बसपा का कोर वोट बैंक दलित-मुस्लिम गठजोड़ ही रहा है। जब-जब दोनों वर्ग ने बसपा के पक्ष में वोट किया तो उसे बड़ा राजनीतिक लाभ मिला। हालांकि अगर पिछले विधानसभा चुनाव को देखें तो मुस्लिम वर्ग पूरी तरह से सपा के साथ हो गया था। इसका सपा को बड़े पैमाने पर लाभ भी मिला था। जबकि बसपा केवल एक सीट पर ही सिमट गई थी।

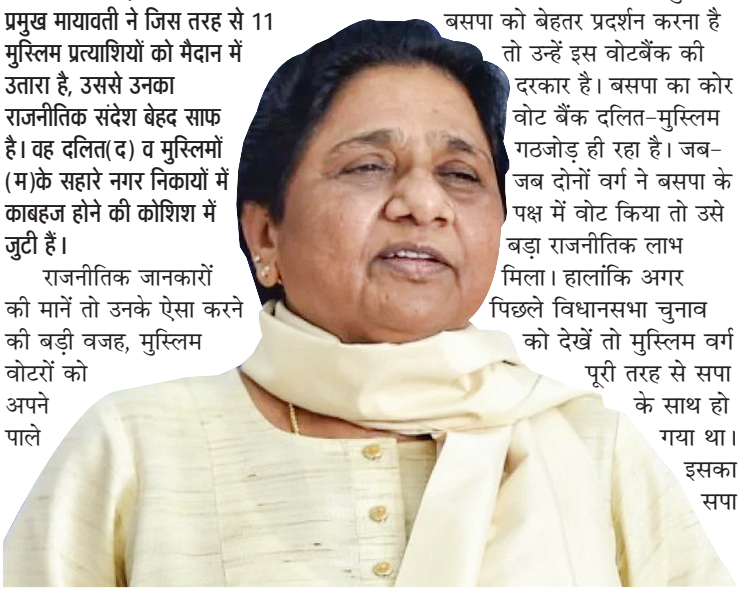

अखिलेश की उहापोह से भी मिला लाभ

विधान सभा चुनाव में मुस्लिमों का एक तरफ वोट आने की वजह से सपा को अच्छा फायदा हुआ था। मुख्य विपक्षी दल के तौर पर वह अपनी मजबूत स्थिति पाने में सफल रही थी। हालांकि चुनाव बाद अखिलेश यादव मुस्लिमों के मसले पर कुछ अलग-थलग दिखाई देने लगे थे। जबकि मायावती ने परिणाम के बाद से ही मुस्लिमों के मामले उठाने शुरू कर दिए थे। राजनीतिक जानकारों की मानें तो इसका लाभ भी मायावती को मिला और जबकि अब उन्होंने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं तो वह फिर से मुस्लिम-दलित गठजोड़ तैयार करने में सफल हो सकती हैं।

आपस में लड़ाने का काम न करे मीडिया : गहलोत

» सचिन पायलट मामले पर बिफरे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ नेतृत्व को लेकर जारी खींचतान के बीच कहा कि मीडिया को लोगों को आपस में लड़ाना नहीं चाहिए। गहलोत की टिप्पणी पायलट के साथ चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है।

दिसंबर 2018 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान है। हाल ही में, पायलट ने एक दिन का उपवास रखकर गहलोत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल दिया।

पायलट ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जिसका वादा 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले किया गया था।

काम के दम पर फिर करेंगे वापसी

गहलोत ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राज्य में कांग्रेस का चुनाव प्रचार अभियान उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं और कायक्रमों पर केंद्रित रहेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के आधार पर अपनी सरकार के राज्य की सत्ता में बने रहने का भरोसा भी जताया।

हर मामले में एक ही वर्ग के निर्दोष बच्चे क्यों पकड़े जाते हैं : दिग्विजय

» बोले- पत्थरबाजी कौन करता है, सरकार को पता नहीं?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में ईद पर हुए पथराव पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि पत्थरबाजी कौन करता है, पता नहीं? लेकिन एक ही वर्ग के निर्दोष बच्चे पकड़े जाते हैं। इस पर भाजपा की तरफ से दिग्विजय सिंह पर पलटवार किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोमवार को ट्वीट किया कि यदि आप देखें तो रामनवमी के जुलूस पर सभी प्रदेशों में घटना एक प्रकार की ही थी। जुलूस पर पत्थर फेंका गया और पत्थरबाजी शुरू। दंगा भड़क गया। यह पत्थरबाजी कौन करता है? पता नहीं। लेकिन पकड़े जाते हैं एक ही वर्ग के निर्दोष बच्चे। इस पर भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने पलटवार करते हुए कहा कि हे महांकाल, इनको सदबुद्धि देना। रामनवमी के जुलूस पर पत्थर फेंकने वाले पत्थरबाज, दंगाई इन्हें एक वर्ग के निर्दोष बच्चे लगते हैं। बेहद शर्मनाक।

संघ-भाजपा झूठ बोलती है, मुस्लिमों की आबादी तेजी से घट रही

बता दें इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कहा था कि भाजपा और आरएसएस का प्रचार कि देश में मुस्लिमों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। यह असत्य है। झूठ है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की तुलना में मुस्लमानों की आबादी तेजी से घट रही है। मैं इसे साबित कर सकता हूं। इस पर भाजपा ने दिग्विजय सिंह पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया था।

फकीर निकल जाएगा और जनता के हाथ में कटोरा दे जाएगा : उद्धव

पीएम मोदी पर किया पलटवार कहा- परिवार में होती है परंपरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जलगांव में आयोजित सभा में उद्धव ठाकरे ने पहली बार राजनीति में परिवार का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर टिप्पणी की। सभा में जलगांव पाचोरा के दिवंगत शिवसेना नेता आर.ओ तात्या पाटील की पुत्री वैशाली पाटील ने उद्धव ठाकरे के समर्थन में भावुक होकर भाषण दिया ।

उन्होंने कहा राजनीति में परिवार कभी-कभी अच्छा होता है, क्योंकि उनकी एक परंपरा होती है। वरना फकीरों का क्या है, फकीर झोला लेकर निकल जाएगा और जनता के हाथ में कटोरा दे जाएगा। उद्धव ने अडाणी का नाम न लेते हुए यह सवाल उठाया कि देश की जनता गरीब और प्रधानमंत्री का करीबी मित्र विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अमीर कैसे बन जाता है?

भ्रष्टाचारी बीजेपी में जाकर हो जाता है शुद्ध

उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि तुम विपक्ष के नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई लगा रहे हो। विपक्ष के नेताओं के सामने दो ही विकल्प रखते हैं या तो जेल जाएं या बीजेपी में शामिल हों। ऐसे में कुछ लोग खोखो (पैसे) के लिए कुछ लाचारी में बीजेपी में चले जाते हैं। आप हमारे नेताओं पर हमला करते हैं। आप उन्हें भ्रष्टाचारी कहते हैं, लेकिन जब यह लोग बीजेपी में शामिल हो जाते हैं, तो क्या आप गोमूत्र छिड़ककर उन्हें शुद्ध करते हैं? तुम्हारे साथ रहे तो पवित्र हमारे साथ रहें, तो भ्रष्ट। है कोई जवाब इस बात का।

हर कोई ईमान नहीं बेचता

शिंदे सरकार में जलगांव जिले के पालक मंत्री गुलाबराव पाटील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर कोई गुलाबो गैंग नहीं होता। कुछ संजय राउत जैसे भी होते हैं। जो जेल जाने के बाद भी झुकते नहीं हैं। उद्धव ने भरी सभा में अपने वफादार विधायकों नितिन देशमुख, राजन साल्वी, वैभव नाइक का नाम लेते हुए कहा कि चूंकि इन्होंने अपना ईमान नहीं बेचा इसलिए इनके पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों को लगा दिया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हमें चुनौती क्या दे रहे हो, चुनौती के लिए मर्दानगी लगती है।

एक कानून में बदलाव से नीतीश पर वार

उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद आनंद मोहन होंगे रिहा, भाजपा-बसपा ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन की जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने आनंद मोहन सहित 27 कैदयों की जेल से रिहाई के संबंध में अधिसूचना जारी की है। बिहार सरकार ने हाल ही में अपने एक कानून में बदलाव किया है, जिसके बाद ये संभव हुआ है, आनंद मोहन गोपालगंज के जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के दोषी हैं और उम्रकैद की सजा काट रहा है। फिलहाल आनंद मोहन परोल पर बाहर है और आज ही उन्हें सहरसा जेल वापस जाना है।

संभावना जताई जा रही है कि वो कल या परसों जेल से बाहर आ सकता है। बीजेपी ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर सवाल उठाए हैं।

बीजेपी आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ट्वीट कर कहा है कि आरजेडी की चालों के सामने घुटने टेकने के लिए नीतीश कुमार को शर्म आनी चाहिए। वहीं, मायावती ने ट्वीट किया है कि आनंद मोहन ने एक दलित अधिकारी की हत्या की थी और उनकी रिहाई से जनता में गलत संदेश जाएगा।

मायावती की बिहार सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील

जेल नियमावली को बदलने के कदम की आलोचना करते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाल में ट्वीट किया था, आंध्रप्रदेश (अब तेलंगाना) के महबूबनगर के दलित समुदाय के बेहद ईमानदार आईएएस अधिकारी की निर्मम हत्या के मामले में आनंद मोहन को रिहा करने के लिए नियमावली में बदलाव की नीतीश सरकार की तैयारी देशभर में दलित विरोधी कारणों से दलितों के बीच चर्चा का विषय है। उन्होंने कहा कि देशभर में दलितों की भावनाएं इस कदम से आहत हुई हैं। इसे नीतीश कुमार की अपराध के पक्ष में और दलित के विरोध में करार देते हुए मायावती ने बिहार सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है.

मायावती यूपी पर ध्यान दें : जदयू

मायावती के आरोपों पर सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता और राज्य के ग्राम विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, समाज के सभी वर्गों के कल्याण को ध्यान में रखकर राजय सरकार द्वारा निर्णय लिये जाते हैं कोई भी निर्णय किसी वर्ग या व्यक्ति के फायदे के लिए नहीं लिया गया है। सारे निर्णय कानून के अनुसार लिये जाते है, हमारे मुख्यमंत्री बहुत ही स्पष्ट है, वह समाज के सभी तबकों के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं, मायावती को उत्तर प्रदेश की परवाह करनी, चाहिए जहां कानून का शासन नहीं है।

कर्नाटक चुनाव से बढ़ेगी राहुल की साख!

पूरी ताकत झोंक रहे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, राज्य की अस्मिता पर मांग रहे वोट, भाजपा को पटखनी देने की रणनीति तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से राहुल का राजनीतिक कद बढ़ने की संभावना प्रबल हैं अगर वहां पर सरकार बन जाती है यह लोक सभा चुनाव 2024 से पहले ट्रेलर की तरह होगी। इन परिणामों से देश की जनता का मूड जानने को भी मिलेगा। साथ ही भाजपा की नीतियों के साथ सहमति या असहमति की भी जानकारी हासिल हो सकेगी। वहां सत्तारुढ़ बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर तक के नेता पूरी मेहनत कर रह हैं ताकि उनकी सरकार बराकरार रहे। वहीं कांग्रेस ने भी अपने तरकश के सभी तीर निकाल कर लक्ष्य भेदना शुरू कर दिया है उसी क्रम वह बीजेपी के बड़े-बड़े नेताओं को अपनी ओर करके अपने इरादे जता रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर झोंकी ताकत लगाकर कांग्रेस को कर्नाटक का किंग बनाने केलिए जी तोड़ मेहनत कर रह हैं।

राहुल ने रोड शो से दिखाई ताकत

कर्नाटक में कांग्रेस के जीतने से राहुल गांधी को इससे काफी फायदा मिलेगा। कर्नाटक में कांग्रेस के लिए जीत के कई मायने होंगे। रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य के दौरे पर हैं और वहा पर रोड शो भी कियर जिसमे अपर भीड़ जुटट। उनके पास 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले खुद को साबित करने के लिए यह एक अच्छा मौका होगा। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को होने हैं, कांग्रेस की तरफ चुनाव को लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। उनके इस दौरे से अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका और पार्टी का फोकस लिंगायत समुदाय पर रहेगा। कर्नाटक में कांग्रेस के लिए जीत के कई मायने होंगे। हाल ही में राहुल गांधी की मानहानि केस में दोषी साबित होने के बाद लोकसभा से उनकी सदस्यता चली गई। इसके बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करती है तो वह एक मजबूत नेता के रूप में उभर सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी के पास 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले खुद को साबित करने के लिए यह एक अच्छा मौका होगा।

कर्नाटक में हर चुनाव में सरकार बदलने का ट्रेंड है। अगर ये ट्रेंड कायम रहता है तो इस बार कांग्रेस के लिए अच्छा मौका होगा। यदि यहां सफलता मिलती है तो पार्टी में राहुल गांधी के कद में इजाफा हो सकता है। कांग्रेस के सामने इस जंग में बीजेपी और जेडीएस हैं। इन दोनों पार्टियों ने भी पूरी तरह से तैयारी कर ली है। बीजेपी और कांग्रेस की तरफ से लिंगायत के सबसे ज्यादा उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं तो वहीं जेडीएस ने वोक्कालिंगा जाति के नेताओं को सबसे अधिक टिकट दिए हैं।विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व लगातार मेहनत कर रहा है। संसद से सदस्यता जाने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी को इससे सहानुभूति भी मिल सकती है। अगर कांग्रेस यहां जीतती है तो राहुल गांधी की खोई हुई ताकत वापस आने की उम्मीद है।

2018 में कांग्रेस का प्रदर्शन

2018 में कांग्रेस कुल 80 सीटों पर सिमट कर रह गई तो वहीं बीजेपी ने 104 सीटों पर जीत हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई थी। कांग्रेस ने यहां आठ जिलों में बढ़त बनाई थी। इन जिलों में गुलबर्गा, चिकबल्लापुर, कोलार, बिदर, रायचूर, बेल्लारी, बेंगलुरु, बेंगलुरु ग्रामीण और चामराजनगर शामिल थे। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने पिछले 6 महीने से राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राहुल गांधी की यात्राओं से ये समझा जा सकता है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए कितना जरूरी बन गया है। हालांकि, बीजेपी के नेताओं को अपने खेमे में लाने की कोशिश से पार्टी के नेताओं में असंतोष पनप रहा है। ऐसे में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के लिए नेताओं को पार्टी से जोड़कर रखने की भी चुनौती होगी।

80 सीटों पर सिमट कर रह गई 2018 में कांग्रेस

104 सीटों पर जीत हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई थी बीजेपी

भाजपा सरकार पर बोला हमला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि कामकाज के लिहाज से कर्नाटक की भाजपा सरकार देश की सबसे ज्यादा भ्रष्ट प्रदेश सरकार है। उन्होंने कहा कि समाज के सामने सत्य बोलना आसान नहीं होता है। इसके लिए तमाम चुनौतियों और धमकियों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य भाजपा नेता भाषणों में महाकवि बासवन्ना का उल्लेख तो करते हैं लेकिन उनके बताए सत्य के रास्ते पर नहीं चलते हैं। कामकाज के लिहाज से कर्नाटक की भाजपा सरकार देश की सबसे ज्यादा भ्रष्ट प्रदेश सरकार है। इस सरकार के मंत्री सरकारी ठेकों में 40 प्रतिशत तक कमीशन ले रहे हैं। यह बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कर्नाटक के दौरे में कही।

महाकवि बासवन्ना के सहारे बीजेपी को घेरा

महाकवि बासवन्ना (बासवेश्वरा) को कर्नाटक में प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का संस्थापक माना जाता है। बासव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में राहुल ने कहा, समाज के सामने सत्य बोलना आसान नहीं होता है। इसके लिए तमाम चुनौतियों और धमकियों का सामना करना पड़ता है। बासवन्ना ने कभी सच्चाई का रास्ता नहीं छोड़ा। वह सामाजिक कुरीतियों का लगातार विरोध करते रहे। इसीलिए हम आज भी उनका सम्मान करते हैं।12 वीं सदी में कन्नड़ भाषा के महान कवि और समाज सुधारक बासवेश्वरा की जयंती पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बागलकोट के कुदला संगमा में समाधिस्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले वह दिल्ली से हुबली पहुंचे और वहां से हेलीकाप्टर से कुदला संगमा। वहां पर उन्होंने संगमानाथा मंदिर जाकर ऐक्या लिंगा के दर्शन किए। बासवन्ना के नाम से प्रसिद्ध कवि बासवेश्वरा को स्वजन्मा माना जाता है और वह लिंगायत समुदाय के संस्थापक थे।

150 सीट जीतने का दावा

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, बासवन्ना ने कहा था कि सत्य बोलने से डरो नहीं..वही कार्य देश में घूमकर कर रहा हूं, जबकि भाजपा और आरएसएस देश में घृणा और हिंसा का माहौल बना रहे हैं।卐 राहुल ने दावा किया कि दस मई के राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 224 में से 150 सीटें जीतकर सरकार बनाएगी।

राज्य में करीब 17 प्रतिशत है लिंगायत समुदाय की आबादी

बासवन्ना के समाधि स्थल पर राहुल गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। महाकवि बासवन्ना की समाधि पर राहुल गांधी का जाना कर्नाटक चुनाव को प्रभावित करने वाला कदम माना जा रहा है। कर्नाटक के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में प्रभावशाली लिंगायत समुदाय की आबादी करीब 17 प्रतिशत है और उसे भाजपा का वोट बैंक माना जाता है। बासव जयंती पर अपने दौरे में राहुल गांधी ने खुद को महाकवि के अनुसरणकर्ता के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की।

मुस्लिम आरक्षण को लेकर ओवैसी-शाह आमने-सामने

कर्नाटक में मुस्लिमों के आरक्षण को खत्म करने के फैसले के बाद केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनने पर मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने की बात कही। अब अमित शाह के इस बयान पर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है, राज्य में मुस्लिम कोटा खत्म करने के बयान को लेकर गृह मंत्री पर पलटवार करते हुए, ओवैसी ने कहा कि भाजपा के पास तेलंगाना के लिए 卐मुस्लिम विरोधी अभद्र भाषा के अलावा कोई नजरिया नहीं है. मुस्लिम विरोधी अभद्र भाषा के अलावा बीजेपी के पास तेलंगाना के लिए कोई विजन नहीं है, वे केवल तेलंगाना को सिर्फ फेक इनकाउंटर, सर्जिकल स्ट्राइक, कार्यू, अपराधियों की जेल से रिहाई और बुलडोजर दे सकते हैं। उन्होंने भाजपा से पूछा कि आप तेलंगाना के लोगों से इतनी नफरत क्यों करते हैं? ओवैसी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, यदि शाह एससी, एसटी और ओबीसी के लिए न्याय के बारे में गंभीर हैं, तो उन्हें 50ल आरक्षण सीमा को हटाने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पेश

करना चाहिए तेलंगाना में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होंगे. बीजेपी शासित कर्नाटक ने हाल ही में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त कर दिया था और 10 मई के विधानसभा चुनाव से पहले इसे दो प्रमुख हिंदू समुदायों के बीच समान रूप से वितरित करने का फैसला किया था। इस फैसले की आलोचना करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि यह कदम अत्यधिक अस्थिर आधार और त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। अदालत ने यह भी कहा कि कर्नाटक सरकार का फैसला 1992 में एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए गए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया था। भाजपा के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने यह कहते हुए अपने फैसले का बचाव किया है कि यह एक आयोग की सिफारिशों पर आधारित था जिसने राज्य में विभिन्न समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जांच की थी। हैदराबाद के पास चेवेल्ला में रैली को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने धर्म आधारित आरक्षणों को असंवैधानिक बताते हुए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आती है तो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े समुदायों को अधिकार प्रदान करते हुए 4 प्रतिशत मुस्लिम कोटा खत्म कर देगी। अमित शाह ने कहा, यह अधिकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी का है। गृह मंत्री ने कई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि भाजपा की लड़ाई तब तक नहीं रुकेगी जब तक भ्रष्ट शासन को गद्दी से हटा नहीं दिया जाता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना के लिए केंद्र द्वारा बढ़ाए गए कल्याणकारी उपाय गरीबों तक नहीं पहुंच रहे हैं। अमित शाह ने के चंद्रशेखर राव सरकार पर राज्य में असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम एजेंडाक ो लागू करने का आरोप लगाया. शाह ने कहा, तेलंगाना में कोई भी सरकार नहीं चल सकती जिसका स्टीयरिंग मजलिस (ओवैसी) के साथ है। हम मजलिस से डरते नहीं हैं, तेलंगाना की सरकार राज्य के लोगों के लिए चलेगी, यह ओवैसी के लिए नहीं चलेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत के अनमोल रतन हैं सचिन

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर 50 साल के हो गए। 50 सालों में से वह 25 साल तक क्रिकेट से जुड़े रहे। अपने अद्भुत खेल से मास्टर ब्लास्टर ने पूरी दुनिया में अपनी धाक जमाई। उन्होंने अपने बल्ले से कई रिकॉर्ड बनाए जिन्हे तोड़ना इतना आसान नहीं है। 24 अप्रैल को उन्होंने 50 वां जन्मदिन मनाया। पूरी दुनिया से उन्हें बधाई मिल रही है। ईश्वर उनको दीर्घायु करे और उन्हें स्वस्थ रखे। भारत रत्न से सम्मानित वाकई भारत का अनमोल रतन है। खास मौके पर उनके फैंस सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बर्थडे की बधाई दे रहे है। दुनियाभर में रोल मॉडल माने जाने वाले सचिन के लिए ये दिन जितना खास है उतना ही ये फैंस के लिए भी बेहद स्पेशल है।

बता दें कि 25 साल पहले सचिन ने अपने जन्मदिन के दिन फैंस को एक खास तोहफा दिया था, जिसे फैंस भूल नहीं पाए है। ये तोहफा उनके बल्ले से देखने को मिला, जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रनों की बरसात करते हुए शानदार पारी खेली थी। दरअसल, 24 अप्रैल 1998 को सचिन तेंदुलकरने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही त्रिकोणीय श्रंखला में बल्ले से धुआंधर पारी खेलकर कंगारू टीम के होश उड़ा दिए थे। शारजाह में आज भी इस दिन को सचिन का तूफान के नाम से जाना जाता है। सचिन ने कंगारू टीम के खिलाफ 143 रनों की बेमिसाल पारी खेली थी। इतना ही नहीं, बल्कि इसके दो दिन बाद सचिन ने फाइनल मैच में 134 रन की आतिशी पारी खेलकर हर किसी को अपना दीवाना बनाया। सचिन के इस शतक के बारे में वरिष्ठ खेल पत्रकार ने अपनी किताब सचिन के सौ शतक में लिखा है कि ये बेहद खास शतक रहा, क्योंकि उनकी इस पारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर शाहरजाह में ट्राई सीरीज जीती थी।

25 साल पहले सचिन ने अपने जन्मदिन के दिन फैंस को एक खास तोहफा दिया था, जिसे फैंस भूल नहीं पाए है। ये तोहफा उनके बल्ले से देखने को मिला, जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रनों की बरसात करते हुए शानदार पारी खेली थी। दरअसल, 24 अप्रैल 1998 को सचिन तेंदुलकरने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही त्रिकोणीय श्रंखला में बल्ले से धुआंधर पारी खेलकर कंगारू टीम के होश उड़ा दिए थे।

अगर बात करें इस मैच की तो बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 272 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन भारत ने तेंदुलकर के शतक की बदौलत 49 ओवर में 4 विकेट पर 275 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। जन्मदिन पर खेली गई अपनी पारी के दौरान सचिन ने बल्ले से हर किसी को इंप्रेस किया। बता दें कि सचिन ने अपने 24 साल के विशाल करियर में कुल 463 वनडे मैच खेलते हुए कुल 18426 रन बनाए है। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक जड़े हैं। टेस्ट में उन्होंने 200 मैच खेलते हुए 15921 रन बनाए, जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल रहे। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें राज्य सभा का सदस्य भी बनाया गया और वह 6 साल तक संसद सदस्य रहे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोचक होते जा रहे हैं सत्ता के संग्राम

रमेश सर्राफ धमोरा

कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है।

भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफ मानी जाती है। बीएस येदियुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं।

शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है। कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों पर जनता दल सेक्युलर चुनावी

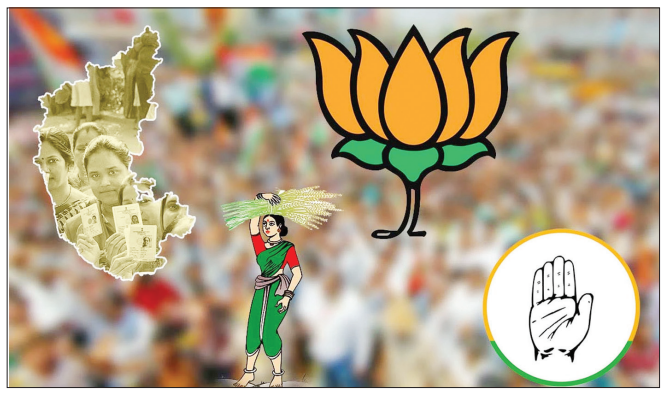

मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनता दल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसे में वह अपने जीते हुए विधायकों के बल पर सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वहीं कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई ब?ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था।। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। उस समय बीएस येदियुरप्पा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। मगर येदियुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था।

हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व येदियुरप्पा का ही रहा।

घरेलू हिंसा नियंत्रण में कानूनी विसंगति

किमि तलतम

पिछले साल की बात है। किसी ने फेसबुक पर एक वीडियो साझा किया था... चलती सड़क, साइकिल, कारों, बसों की दौड़-भाग। आते-जाते लोग। अचानक घर से एक पतली-दुबली औरत निकलती है। उसने साड़ी पहन रखी है और सिर ढका हुआ है। उसके हाथ में एक पेड़ से तोड़ी हुई छड़ी है। तभी कैमरा एक बेहद बूढ़ी, कृशकाय, शरीर पर नाममात्र को सफेद धोती पहने एक दूसरी औरत पर फोकस करता है। छड़ी हाथ में पकड़े हुए औरत इस बूढ़ी स्त्री की तरफ बढ़ती है और हाथ पकड़कर इसे खींचने लगती है। जब यह स्त्री इधर-उधर होती है, तो वह इसे लगभग जमीन पर दे मारती है। फिर हाथ की छड़ी से इसे मारती ही जाती है। उसके बाद फिर से उसे घसीटती है और फिर जमीन पर पटकती है। फिर मारती है। बार-बार ऐसा होता ही जाता है। वह बूढ़ी औरत जोर-जोर से चिल्ला रही है। सड़क पर आने-जाने वाले उसे पिटते देख रहे हैं। अड़ोसी-पड़ोसी भी उसकी चीख-पुकार को सुन रहे होंगे, लेकिन कोई उसे बचाने नहीं आया। जिस तरह से उसे बार-बार जमीन पर पटका गया, छड़ी से तड़ातड़ पीटा गया इससे उसे कितनी चोट लगी होगी, इसे वीडियो देखकर महसूस किया जा सकता है।

मगर महिला आयोग, या मानवाधिकार आयोग की नजरों से शायद यह वीडियो नहीं गुजरा। नहीं पता कि कहां का था। देश के किस हिस्से में बनाया गया था, लेकिन इतना भयावह था कि रौंगटे खड़े हो जाते थे। एक युवा स्त्री एक बूढ़ी स्त्री को निर्ममता से पीट रही थी, लेकिन कानून शायद ही इस बूढ़ी स्त्री को बचाने आएगा। जेंडर से संबंधित कानूनों में सारे अपराध अक्सर युवा महिलाओं के प्रति होते ही मान लिए गए हैं। इसीलिए वहां बूढ़ों को न्याय देने की भी किसी को नहीं पड़ी। वैसे भी विदेशों में और अपने यहां भी कई नेता कहते ही रहते हैं कि बूढ़े अर्थव्यवस्था पर बोझ होते हैं, तब भला उनकी परवाह कोई क्यों करे।

आपको दिल्ली की वह घटना भी याद होगी जहां अपनी बेटियां ही मां को मारती-पीटती थीं, भूखा रखती थीं। एक पड़ोसी ने इसका वीडियो बना लिया था। दिल्ली महिला आयोग ने इस स्त्री को बचाया था। पिछले दिनों हरियाणा की एक महिला के बारे में खबर छपी थी। जहां उसने अपने पोते को सड़क पर घूमते देख बहू को समझाने की कोशिश की कि वह बच्चे को इस तरह सड़क पर अकेले न जाने दिया करे। इससे बहू भड़क उठी और उसने सास को इतना पीटा कि उसके कान का पर्दा फट गया और कई जगह की हड्डियां भी टूट गईं। घरों में वृद्ध स्त्री-पुरुषों के प्रति ऐसी घटनाएं इन दिनों आम हो चली हैं। लेकिन प्रकाश में बहुत कम आ पाती हैं क्योंकि कई बार लोग परिवार की प्रतिष्ठा की चिंता करके, पिटाई और तरह-तरह की हिंसा सहते रहते हैं, मगर मुंह नहीं खोलते। अगर बेटे या परिवार के अन्य सदस्य बचाने भी आएं तो भी बच नहीं पाते। इस तरह की घरेलू हिंसा झेलने को वे अभिशप्त हैं। वैसे तो अक्सर लोग किसी के घर के मामले में बीच में बोलने से इसलिए भी बचते हैं कि क्या पता उन पर ही कोई ऐसा आरोप लगा दिया जाए जिससे कि उनका बचना मुश्किल हो जाए। या कि किसी को बचाने जाएं और पुलिस कोर्ट-कचहरी के चक्कर में फंस जाएं।

अपने यहां यदि इस तरह की हिंसा औरत ही औरत के ऊपर कर रही है तो उससे बचने का क्या उपाय है। कैसे कानून ऐसी असहाय स्त्रियों की मदद करेगा।

कई बार तो ऐसा होता है कि घर की बहू पूरे परिवार के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करा देती है। और पूरा परिवार कानून के शिकंजे में आ जाता है। लैंगिक कानूनों की हालत भी यह है कि एक बार किसी का नाम लगा भर दो, कि वह अपराधी साबित कर दिया जाता है। हाल ही में एक मामला कोर्ट में ऐसा ही आया था। इसमें एक महिला ने अपने सास, ससुर, देवर, देवरानी और ननद पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। लेकिन कोर्ट में यह पूरा मामला ही गलत साबित हुआ। पता चला कि शिकायत दर्ज कराने वाली महिला जिस मकान में अपने पति के साथ रहती है, वह मकान उसके सास-ससुर का है, लेकिन वे किराए के घर में रहते हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले को देखने से पता चलता है कि महिला घरेलू हिंसा से पीड़ित नहीं है। बल्कि जायदाद पर अधिकार करने के लिए वह इस कानून का सहारा ले रही है। जब सास-ससुर साथ रहते ही नहीं तो वे महिला को सता कैसे सकते हैं। जबकि इन बुजुर्गों को अपना ही घर छोड़कर किराए पर रहना पड़ रहा है। इसी मामले में 2016 में वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण व कल्याण अधिकरण ने महिला और उसके पति को मकान खाली करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा सम्बंधित क्षेत्र के थानेदार को भी इन बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक सिपाही की तैनाती की व्यवस्था करने को कहा गया था। तब शिकायत करने वाली महिला के पति ने अपने माता-पिता से माफी मांगी थी और समझौता कर लिया था। लेकिन जल्दी ही माता-पिता को फिर तंग किया जाने लगा। तब पूर्वी दिल्ली के डीएम ने चौबीस घंटे में मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। लेकिन महिला द्वारा मकान खाली करना तो दूर, उलटे सास-ससुर तथा देवर, देवरानी पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करा दिया । इसी कारण अदालत को यह कठोर टिप्पणी भी करनी पड़ी कि घरेलू हिंसा कानून का गलत इस्तेमाल हो रहा है। देखने की बात यह भी है कि यह मामला दिल्ली का था इसलिए त्वरित न्याय भी हुआ और प्रकाश में भी आया। जबकि पूरे देश में ऐसी बेशुमार घटनाएं होती होंगी, जिनकी चर्चा भी नहीं होती।

ऐसे बनाएं दाल बाटी हर कोई चाटता रह जाएगा उंगलियां

जब भी राजस्थान का नाम जहन में आता है, तो वहां के कल्चर, रहन-सहन, खान पान और रेगिस्तान की तस्वीरें नजरों के सामने घूमने लगती हैं। राजस्थान अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चा में रहता है। अगर वहां कि खास डिश की बात करें तो दाल बाटी चूरमा को हर कोई पसंद करता है। वैसे तो राजस्थान के हर घर में दाल बाटी चूरमा बनाया जाता है, पर अब इसका क्रेज देश भर के साथ-साथ विदेशों में देखा जाता है।

बाटी के लिए सामग्री

आटा-चार कप, बेसन-एक कप, घी-एक कप, दही-आधा कप, अजवाइन -एक छोटा चम्मच, नमक-स्वादानुसार

दाल के लिए

मूंग की छिलके वाली दाल-सौ ग्राम, चना दाल-पचास ग्राम, अरहर दाल -पचास ग्राम, उडद दाल-पचास ग्राम, प्याज बारीक कटी-एक, टमाटर बारीक कटा-एक, हर धनिया-थोडा सा, घी-दो छोटा चम्मच, हल्दी-आधा छोटा चम्मच, गर्म मसाला-आधा छोटा चम्मच, लाल मिर्च-एक बड़ा चम्मच, लहसुन अदरक का पेस्ट-एक छोटा चम्मच, हींग-चुटकी भर, नीबू -एक।

विधि

बाटी बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि इसका आटा नर्म ना हो। बाटी का आटा जितना टाइट होगा, आपकी बाटी उतनी ही अच्छी बनेगी। ऐसा करने से बाटी काफी कुरकुरी बनती है। अक्सर लोगों को ऐसा कहते सुना जाता है कि वो ज्यादा घी नहीं इस्तेमाल करते। पर, अगर आप बाटी के लिए आटा गूंथ रहीं हैं तो उसमें घी की मात्रा का अच्छे से ध्यान रखें। घी की वजह से ही ये अंदर से सॉफ्ट बनेगी। बाटी बनाने के लिए जब आप आटा गूंथ लें तो इसको कम से कम तीस मिनट ऐसे ही रख दें। तब तक आप दाल की तैयारी कर सकती हैं। बाटी का स्वाद घी की वजह से ही काफी बढ़ जाता है। जब ये बन जाए तो इसे घी में जरूर डिप करें। अगर आप गर्मागर्म बाटी को घी में डुबो देंगे तो इससे उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

लोहे के तवे पर ऐसे बनाएं डोसा

साउथ इंडियन फूड किसे पसंद नहीं होता। अक्सर कई सेलिब्रिटी को ये कहते सुना जाता है कि वो सांभर और चटनी के साथ नाश्ते में डोसा खाना पसंद करते हैं। ये काफी हेल्दी होता है। कई लोग कोशिश करते हैं कि उनका डोसा बाजार जैसा बने पर ऐसा नहीं होता। अक्सर जब लोग लोहे के तवे पर डोसा बनाते हैं तो ये चिपक जाता है। इससे तवा भी खराब होता है और साथ में डोसे का टेस्ट भी खराब होता है।

प्याज या आलू की मदद से करें तवे को चिकना

डोसा बनाने के लिए तवे को पहले से तैयार करना चाहिए। इसके लिए आप प्याज या आलू को आधा काट लें। अब आप कटे हुए आधे प्याज या आलू को तेल में डुबाकर इससे तवे को चिकना कर सकते हैं।

ना करें ये गलतियां

अगर आप डोसा बनाने जा रहीं हैं तो इसके बेटर को तुरंत फ्रिज से निकाल कर इस्तेमाल ना करें। डोसा बनाने के कुछ समय पहले इसे बाहर निकाल कर नॉर्मल कर लें। डोसे का बेटर तैयार करते वक्त ध्यान रखें कि इसमें पानी ज्यादा ना डाला गया हो। अगर बेटर में पानी ज्यादा होगा तो डोसा फटने लगेगा।

तवे को गर्म करके फिर करें ठंडा

अगर आपका डोसा लगातार चिपक रहा है तो तवे को एक बार अच्छे से गर्म करें फिर ठंडा कर लें। अब जब आप इस तवे पर डोसा बनाएंगी तो ये ज्यादा कुरकुरा बनेगा।

तवे पर नहीं होनी चाहिए गंदगी

अगर आप डोसा बनाना चाह रही हैं तो सबसे पहले तवे को अच्छे से साफ कर लें। अगर इस पर तेल या गंदगी लगी रहेगी तो डोसा सही से नहीं बनेगा। इसके लिए आपको तवे को अच्छे से साफ करना चाहिए।

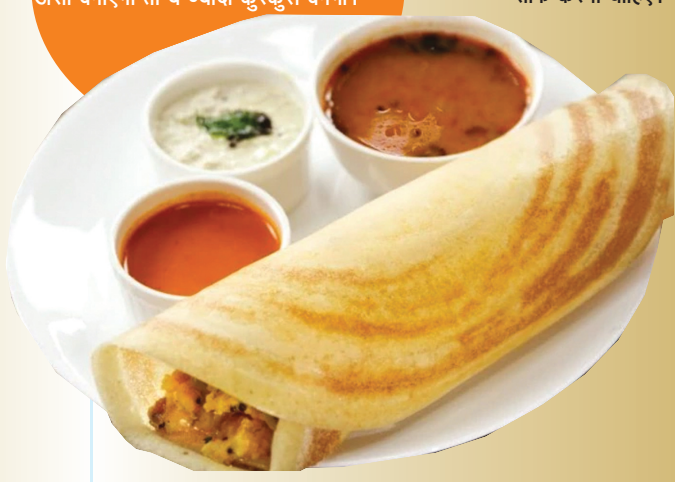

हंसना मना है

टीचर- नालयक, क्लास में दिन भर लड़कियों के साथ इतनी बातें क्यूं करता है? बॉय-सर मैं गरीब हूं! मेरे मोबाइल में व्हाट्सएप नही है..

स्कूल में आग लग गयी सब बच्चे खुश थे कि स्कूल नहीं जाना पड़ेगा, पर एक बच्चा उदास था, अध्यापक-बेटा तुम दु:खी क्यों हो? बच्चा-सर आप जिंदा कैसे बच गए।

एक बच्चे ने क्लास में पोट्टी कर दी। टीचर ने उसको 50 रुपये के जुर्माने की पर्ची थमा दी। बच्चे ने पूछा ये क्या है। टीचर- 30 रुपये पोट्टी के और 20 रूपये सुसु के। बच्चे ने जेब में हाथ डाला और टीचर को 55 रुपये दिए। टीचर- 5 रुपये ज्यादा क्यों? बच्चा-शिक्षा के मंदिर में बैठा हूं झूठ नहीं बोलूंगा, एक पाद भी मारा था, 5 रुपये का।

टीचर- न्यूटन का नियम बताओ..स्टूडेंट - सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट का याद है। टीचर- चलो लास्ट का ही सुनाओ, स्टूडेंट -और इसे ही न्यूटन का नियम कहते है!

कहानी
महाकपि का बलिदान

हिमालय के जंगल में कई पेड़-पौधे अनोखे हैं। इन पर लगने वाले फल और फूल सबसे अलग होते हैं। ऐसा ही एक पेड़ नदी किनारे था, जिस पर सारे बंदर अपने राजा के साथ रहा करते थे। बंदरों के राजा का महाकपि बहुत ही समझदार और ज्ञानवान था। महाकपि का आदेश था कि उस पेड़ पर कभी कोई फल न छोड़ा जाए। जैसे ही फल पकने को होता, वैसे ही वानर उसे खा लेते थे। महाकपि का मानना था कि अगर कोई पका फल टूटकर नदी के रास्ते किसी मनुष्य तक पहुंचा, तो ये उनके लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। लेकिन एक दिन एक पका फल नदी में जा गिरा, वह फल नदी में बहकर एक जगह पहुंच गया, जहां एक राजा अपनी रानियों के साथ घूम रहा था। फल की खुशबू इतनी अच्छी थी कि रानियों सहित राजा भी इस खुशबू पर मोहित हो गया। राजा को नदी में बहता हुआ फल दिखाई दिया। राजा ने उसे उठाकर अपने सिपाहियों को दिया और कहा कि कोई इसे खाकर देखे कि यह फल कैसा है। एक सिपाही ने उस फल को खाया और कहा कि ये तो बहुत मीठा है। इसके बाद राजा ने भी उस फल को खाया और आनंदित हो उठा। उसने अपने सिपाहियों को उस पेड़ को खोज निकालने का आदेश दिया, काफी मेहनत के बाद राजा के सिपाहियों ने पेड़ को खोज निकाला। उस पर बहुत सारे वानर बैठे हुए थे। सिपाहियों को ये बात पसंद नहीं आई और उन्होंने वानरों को एक-एक करके मारना शुरू कर दिया। वानरों को घायल देखकर महाकपि ने एक बांस का डंडा पेड़ और पहाड़ी के बीच पुल की तरह लगा दिया। महाकपि ने सभी वानरों को उस पेड़ को छोड़कर पहाड़ी की दूसरी तरफ जाने का आदेश दिया। वानर बांस के सहारे पहाड़ी के दूसरी ओर पहुंच गए, लेकिन इस दौरान डरे-सहमे बंदरों ने महाकपि को बुरी तरह से कुचल दिया। सिपाहियों ने तुरंत राजा के पास जाकर सारी बात बताई। राजा, महाकपि की वीरता से बहुत प्रसन्न हुए और सिपाहियों को आदेश दिया कि महाकपि को तुरंत महल लेकर आएं और उसका इलाज करवाएं। लेकिन जब महाकपि को महल लाया गया, तब तक वह मर चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना होगा। आपके खर्चे काफी बढ़ेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पर बोझ पड़ेगा। आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा।

वृषभ
आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आज अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा लेकिन दोपहर बाद स्थितियां बदलेंगी और आपका स्वास्थ्य बेहतर बनेगा।

मिथुन
आज आपका ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आप कुछ भावुक हो सकते हैं। जरूरी कार्यों में परिवार वालो का सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

कर्क
आज घर में कोई दूर का रिश्तेदार आ सकता है जो आपको बेहद प्रिय है। आज आपका दिन अच्छा रहेगा। गृह निर्माण संबन्धी कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह
आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य भी थोड़ा कमजोर हो सकता है लेकिन नौकरी में आपको अच्छे नतीजे हासिल होंगे।

कन्या
आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आप किसी भी तरह आज अपना काम पूरा कर लेंगे। परिवार के लोगों से आपको मदद भी मिलती रहेगी।

तुला
आज आपको नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं। मेहनत के परिणाम आपको जल्द ही मिलेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ।आपको आज रुके हुए कामों में सफलता मिलेगी क्योंकि आपका भाग्य का सितारा बुलंद रहेगा।

धनु
आज आपको कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। जीवनसाथी से कार्यों में सहयोग मिलाने से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर
आज कोई चौंकाने वाली खबर मिल सकती है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। जिसका आपको लाभ भी मिलेगा। कोई नया काम शुरू करने का मन बनायेंगे।

कुम्भ
आपके लिए आज का दिन प्रेम जीवन के लिए अच्छा रहने वाला है। दोपहर बाद स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। आप अपने प्रिय के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे।

मीन
आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा। आपको धन लाभ होने के योग बन रहे है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टर नहीं क्रिकेटर बनना चाहते थे शोले के सांभा

बात अगर सिनेमा की हो तो साल 1975 में आई फिल्म शोले को कैसे भूला जा सकता है। फिल्म के डायलॉग्स आज भी लोगों की जुबान पर रहते हैं। शोले का सबसे पॉपुलर डायलॉग अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी स्टारर इस फिल्म में एक से बढ़कर एक दिग्गज कलाकार थे। इनमें से एक थे अभिनेता मैक मोहन, जिन्होंने फिल्म शोले में सांभा का किरदार निभाया था। मैक मोहन का जन्म 24 अप्रैल 1938 को कराची में हुआ था। अभिनेता का असली नाम माकीजनी है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, मैक क्रिकेटर बनने का सपना लेकर कराची से बॉम्बे आए थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। धीरे-धीरे उनका रुझान थिएटर की ओर बढ़ने लगा। साल 1964 में आई फिल्म 'हकीकत'से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद एक्टर कई फिल्मों में सपोर्टिंग किरदार में नजर आए। मैक ने ज्यादातर फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई है। एक्टर जंजीर, सलाखें, शागिर्द, सत्ते पे सत्ता, डॉन, दोस्ताना, काला पत्थर जैसी हिट फिल्मों का हिस्सा रहे। हालांकि, उन्हें पहचान शोले के सांभा के रूप में मिली। इस फिल्म में उन्होंने सिर्फ एक ही डायलॉग बोला था, लेकिन उस डायलॉग ने लोगों के ऊपर अमिट छाप छोड़ दी। यह डायलॉग था पूरे पचास हजार फिल्म के इस संवाद और किरदार ने उन्हें पर्दे पर हमेशा के लिए अमर कर दिया। हिंदी फिल्मों के अलावा एक्टर भोजपुरी, गुजराती, हरियाणवी, मराठी और पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रहे। मैक की तबीयत फिल्म अतिथि तुम कब जाओगे की शूटिंग के दौरान अचानक खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उनके फेफड़े में ट्यूमर है, जिसके बाद काफी लंबे समय तक उनका इलाज चला, लेकिन एक्टर ने 10 मई साल 2010 को दुनिया को अलविदा कह दिया। मैक को उनके दमदार अभियन के लिए आज भी याद किया जाता है।

आर माधवन ने कंगना की तारीफों के बांधे पुल

कंगना रणौत को बॉलीवुड की पंगा गर्ल कहा जाता है, यही वजह है कि अभिनेत्री के इंडस्ट्री में दोस्त कम और दुश्मन ज्यादा हैं। लेकिन जिससे उनकी दोस्ती है वह उसके साथ शिद्दत से निभाती हैं। कंगना और आर माधवन की दोस्ती बेमिसाल है। कंगना और आर माधवन ने एकसाथ दो फिल्मों में काम किया है। दोनों में फैंस को उनको जोड़ी खूब पसंद आई है। अब हाल ही में आर माधवन ने कंगना रणौत की जमकर तारीफ की है। कंगना रणौत और आर माधवन को पहली बार तनु वेड्स मनु में देखा गया था। इस फिल्म में दोनों की जोड़ी फैंस को खूब पसंद आई थी। इसके बाद दोनों को तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में भी साथ देखा गया। अब हाल ही में अभिनेता ने एक इंटरव्यू के दौरान कंगना रणौत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कंगना को एक मजबूत महिला बताया है, वहीं इसके जवाब में कंगना ने भी शानदार रिप्लाई किया है। एक इंटरव्यू के दौरान कंगना के काम को लेकर आर माधवन से सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, अगर आप उनकी सभी फिल्मों की सभी लीड हीरोइन्स को देखें, तो वे बहुत मजबूत हैं। उन्हें अपने घर में ही कुछ बहुत मजबूत महिलाओं के साथ बड़े होने का सौभाग्य मिला था। कंगना या शालिनी या वो सभी महिलाएं जिनके साथ काम करने का सौभाग्य मुझे मिला, वे सभी अपनी राय पेश करने वाली महिलाएं थीं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए आर माधवन ने कहा, कंगना पुशओवर और घिसी-पिटी अभिनेत्री नहीं हैं।

बॉलीवुड | मसाला

वह ऐसी नहीं हैं कि जो एक-दो फिल्मों में आती हैं और नाचती हैं और आदमी से थप्पड़ खाकर चली जाती हैं। इस तरह की कहानियों में शामिल होने वाले लोग असल में मूर्ख हैं। कंगना की तारीफ में आगे आर माधवन ने कहा, वह बेहद स्मार्ट और हम सभी के लिए महत्वपूर्ण हैं। वह असल में एक असाधारण अभिनेत्री हैं और देखिए कि वह आज सभी तरह की फिल्मों में क्या कर रही हैं।

ब्लू टिक फ्री होने के बाद बिग बी बोले- पैसे भरवा लियो हमार

ट्विटर ने 21 अप्रैल को अपनी पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया। एलन मस्क की कंपनी ने वेरिवाइड अकाउंट्स से ब्लू टिक हटा दिए और सिर्फ उन अकाउंट्स पर ब्लू टिक रहने दिए, जिन्होंने इसके लिए पैसे भरे। फिल्म जगत के कई सेलेब्स के अकाउंट से भी ब्लू टिक हटा दिया गया, इनमें अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल है। हालांकि, अमिताभ बच्चन ने पैसे भरे थे, फिर भी उन्हें ब्लू टिक नहीं दिया गया। उन्होंने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि पैसे भरने के बाद भी उनके ट्विटर अकाउंट को वेरिफाइड नहीं किया। बिग बी के इस पोस्ट में उनकी शिकायत से ज्यादा उनकी अनोखी भाषा ने लोगों को ध्यान खींचा। बिग बी के इस पोस्ट के कुछ देर बाद उनके अकाउंट पर ब्लू टिक वापस आ गया और उन्होंने खुशी भी जताई। अमिताभ बच्चन अब एक बार फिर ट्विटर पर बिदक पड़े हैं। इस बार बिग बी ठगा-सा महसूस कर रहे हैं। दरअसल, ट्विटर ने लीगेसी वेरिफाइड ब्लू टिक को सब्सक्रिप्शन बेस्ड करने के बाद घोषणा की कि उन अकाउंट्स होल्डर को ब्लू टिक फ्री में दिया जाएगा, जिनके पास एक मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ट्विटर की तरफ से जैसे ही ये जानकारी सामने आई बिग बी की शांति एक बार फिर भंग हो गई। पहले तो वो ब्लू टिक हटने से परेशान थे। फिर उन्हें पता चला कि जिसके लिए उन्होंने पैसे दिए, वो अब फ्री हो गया। उन्होंने अपना दुख बयां करने के लिए सोमवार को एक नया पोस्ट शेयर किया। अमिताभ ने ट्विटर पर अपनी उलझन बताते हुए लिखा, अरे मारे गये गुलफाम, बिरज में मारे गये गुलफाम । झौआ भर के त नाम हैं तुम्हार ! पैसे भरवा लियो हमार, नील कमल खातिर।

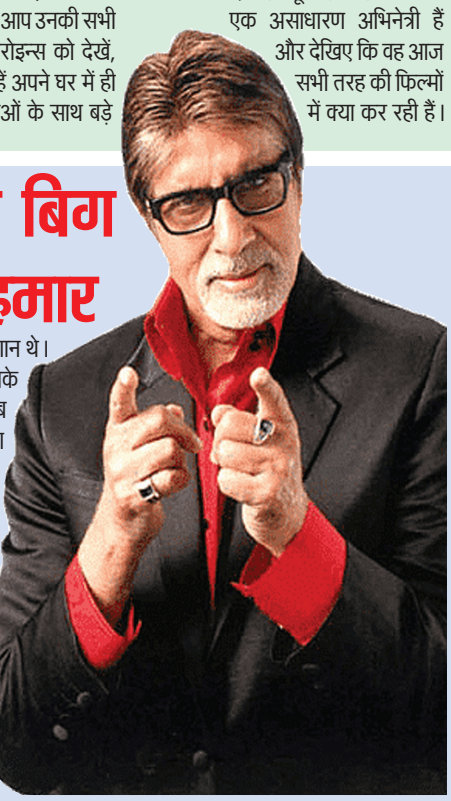

अजब-गजब | दुनिया की 4 खतरनाक बीवियां

पति का मर्डर कर बच्चों को परोसा मांस

पति पत्नी का रिश्ता प्रेम का रिश्ता होता है। उनमें झगड़े भी बहुत होते हैं लेकिन प्रेम उन्हें बांधे रखता है। लेकिन कई बार ऐसी घटनाएं घट जाती है कि गुस्से में पति पत्नी में से एक गलत कदम उठा लेता है। आपने भी कई ऐसी घटनाएं देखी और सुनी होंगी कि किसी पत्नी ने अपने पति की बेरहमी से हत्या कर दी। आज हम आपको दुनिया की ऐसी ही 5 खतरनाक पत्नियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अलग अलग वजहों से अपने पतियों की बेरहमी से हत्या कर दी।

यह घटना 2 साल पहले ब्राजील में घटित हुई थी। साओ गोनकालो की रहने वाली डेयाने क्रिस्टीना रॉड्रिगस नाम की महिला ने अपने पति को मार दिया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला ने पति के प्राइवेट पार्ट को काटकर उसे तेल में फ्राई कर दिया था। कोर्ट में महिला के वकील ने कहा था कि उसने आत्म रक्षा में पति को मार डाला। वहीं मृतक की बहन का कहना था कि उसका भाई बेवफाई कर रहा था, इस वजह से उसकी भाभी ने उसके भाई को मार डाला।

पति का मांस पकाकर बच्चों को खिलाया

दूसरी घटना ऑस्ट्रेलिया की है। यहां कैथरीन नाइट नाम की महिला ने अपने पति को मारकर उसके टुकड़ों को पकाया था और फिर बच्चों को परोस दिया था। साल 2000 की इस घटना में महिला ने अपने पति पर चाकू से 37 बार वार किया था। इसके बाद उसने पति के सिर को कुकर में पकाया और सब्जी के साथ बच्चों को परोस दिया। लेकिन जब महिला ऐसा कर रही थी तो पुलिस आ गई और उसे गिरफ्तार कर लिया।

आर्सेनिक देकर मारा

अमरीका की रहने वाली महिला जूडी बुएनोआनो सीरियल किलर थी। उसने अपने पति को आर्सेनिक देकर मार डाला था। हैरानी इससे भी ज्यादा है कि उसने अपने बेटे और फिर अपने बॉयफ्रेंड को भी आर्सेनिक देकर खत्म कर दिया था। उसे इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठाकर मौत की सजा दी गई थी।

पति के शरीर को पकाकर खा गई

कैलिफोर्निया की रहने वाली ओमाइमा नीलसन पर आरोप है कि उसने अपने 56 साल के पति को मौत के घाट उतारा और फिर उसके शरीर को पकाकर खा गई। महिला को 1993 में गिरफ्तार किया गया था और तब उसे बिना पैरोल के जेल में डाला गया था। उस वक्त वो 23 साल की थी. 2011 में उसने फिर पैरोल के लिए अप्लाई कर दिया था पर फिर अगले 15 साल यानी 2026 तक उसे पैरोल मिलने की इजाजत नहीं मिली थी।

इस गांव में मिली एलियन की लाश सबके सामने अचानक हो गई गायब

एलियंस को लेकर शुरू से बहस चली आ रही है। कई लोगों का मानना है कि एलियंस नहीं होते। वहीं कई लोग मानते हैं कि एलियंस होते हैं और कई लोगों ने तो एलियंस और यूएफओ तक देखने के दावे किए हैं। ऐसा दावा करने वाले कई लोगों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए हैं। हालांकि इनकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अब एक गांव एलियन को लेकर चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, बोलीविया नाम एक छोटे से गांव में हाल ही एक एलियन बच्चे की लाश मिली है। हालांकि थोड़ी ही देर में यह लाश अपने आप गायब हो गई लेकिन स्थानीय लोगों ने उसकी तस्वीर खींच ली थी जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। एलियन की लाश मिलने की खबर के कारण ये छोटा सा गांव रातोरात चर्चा में आ गया। यह गांव साउथ अमरीका में है। साथ ही दावा किया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने इस एलियन की लाश देखी। यह लाश एक नाली में मिली लेकिन अचानक लाश सबके सामने से गायब हो गई। सबूत के तौर पर सिर्फ लोगों द्वारा खींची गई इसकी लाश ही रह गई। इसके बाद एलियन की लाश की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की गई और वायरल हो गई। हालांकि इस दावे में कितनी सच्चाई है इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ये एलियन ब्लू रंग का था और बेहद छोटा था। उनके अनुसार, जिस दिन ये लाश मिली उससे दो दिन पहले लोगों को आसमान में हरा रंग नजर आया था। अब कयास लगाया जा रहा है कि ये रोशनी यूएफओ की थी। लोगों का ये भी कहना है कि उन्हें अंधेरे में कई छोटे-छोटे बच्चे जैसे दिखने वाले जीव नजर आते थे। लेकिन उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि ये एलियंस हो सकते हैं। बोलीविया के जिस गांव में ये घटना घटी, उसके बारे में ज्यादा लोगों को तो पता भी नहीं है। 2001 में हुई जनगणना में इस जगह की जनसंख्या 13 सौ थी। हालांकि, अब इस एलियन की लाश के कारण गांव की काफी चर्चा होने लगी है।

देश हित में एकजुट हो सारा विपक्ष : नीतीश

अखिलेश से मुलाकात के बाद बोले- भाजपा सरकार केवल कर रही है प्रचार

» मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनना है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि देश हित में सारे विपक्ष को एक साथ आकर बीजेपी का मुकाबला करना होगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सोमवार को लखनऊ पहुंचे।

उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि विपक्षी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो अच्छा फायदा होगा और देश हित में होगा। सपा प्रदेश कार्यालय में अखिलेश के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में नीतीश ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कहा कि जो लोग आज राज करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं, विपक्ष के नेताओं को परेशान कर रहे हैं, उनके खिलाफ हम सभी लोग एकजुट होंगे। विपक्षी एकता व प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर कहा, सब लोग जब एकजुट हो जाएंगे, फिर हम लोग बैठकर तय कर लेंगे कि किसको नेता बनना है। एक बात मैं साफ करना चाहता हूं कि मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनना है। मैं देश हित में काम करूंगा। नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि आज देश में क्या काम हो रहा है, ये सभी को मालूम है। जनता के बीच केवल प्रचार किया जा रहा है।

लोकतंत्र बचाने के लिए हम सब साथ हैं : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए हम सब साथ हैं। भाजपा से देश को बचाने के लिए हम सब एकजुट होकर काम करेंगे। इस समय लोकतंत्र व संविधान खतरे में है। भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से किसान, गरीब व मजदूर परेशान हैं। महंगाई व बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए हम साथ खड़े हैं।

यूपी-बिहार, पंजाब व गोवा में एनआईए का छापा

» पीएफआई के खिलाफ एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई जारी है। एनआईए ने सोमवार को देशभर में पीएफआई के ठिकानों पर छापा मारा है। बताया जा रहा है कि देशभर में कुल 17 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। एनआईए के अधिकारी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब और गोवा में तलाशी ले रहे हैं। एनआईए बिहार में 12, यूपी में दो और पंजाब के लुधियाना और गोवा में एक-एक जगह पर तलाशी ले रही है। एनआईए ने बिहार के दरभंगा जिले के उर्दू बाजार में स्थित डेंटिस्ट डॉक्टर सारिक रजा के ठिकाने पर छापा मारा है।

पीएफआई के साथ संबंध के सिलसिले में सिंघवाड़ा पुलिस थाना के शंकरपुर गांव के रहने वाले महबूब के घर पर भी छापेमारी हुई है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने बीते साल सितंबर में अधिसूचना जारी पीएफआई पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। पीएफआई पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने, आतंकी फंडिंग व हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप हैं। पीएफआई पर प्रतिबंध के फैसले पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) से संबंधित ट्रिब्यूनल अपनी मुहर लगा चुका है। संगठन पर यूएपीए एक्त के तहत प्रतिबंध लगाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जज को लगाई फटकार

» सीबीआई-ईडी से लिखित प्रश्नावली देने के आदेश को बताया गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के एक जज को उनके एक आदेश के लिए खूब सुनाया है। दरअसल, हाई कोर्ट ने आंध्र के पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या की जांच कर रही सीबीआई को जांच के घेरे में चल रहे वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी को पहले ही लिखित प्रश्नावली देने का आदेश दिया था।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश को अनुचित बताया। पीठ ने कहा, अगर जांच के लिए यही मानक (एसओपी) है तो सीबीआई और ईडी को बंद कर दिया जाए। ऐसे में हर कोर्ट फिर एजेंसियों से कहेगा कि पूछताछ के दौरान आरोपी व्यक्ति को लिखित सवाल दिए जाएं। इसके साथ ही कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से सीबीआई को दिए निर्देश को भी रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह जरूर कहा है कि हाई कोर्ट गुण-दोष के आधार पर अविनाश की अग्रिम जमानत याचिका पर आगे बढ़ सकता है।

योगी को मिली जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी मिलने के बाद लखनऊ में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि धमकी डायल 112 (आपातकालीन सेवाओं के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया एक नंबर) पर संदेश के माध्यम से प्राप्त हुई थी।

जिसमें व्यक्ति ने कहा, मैं जल्द ही सीएम योगी को मार दूंगा। धमकी मिलने के बाद 112 के ऑपरेशन कमांडर ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मामला दर्ज कराया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 506, 507 और आईटी एक्ट 66 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस की विचारधारा मानने वाले व्यक्ति का पार्टी में स्वागत

» खून की जांच करके किसी को पार्टी में नहीं लिया: खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंगलुरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी ऐसे किसी भी व्यक्ति का स्वागत करेगी, जो उसकी विचारधारा को स्वीकार करता है और पार्टी नेतृत्व का अनुपालन करता है। खरगे ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह भविष्यवाणी नहीं कर सकते कि भविष्य में राजनीति में क्या होगा।

जगदीश शेट्टर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में वापस आने संबंधी के. एस. ईश्वरप्पा के बयान पर खरगे ने कहा कि मेरी कोई भविष्यवाणी नहीं है और हमने किसी का खून जांच करके उसे पार्टी में नहीं लिया है। अगर वे हमारी विचारधारा को स्वीकार करते हैं, तो उनका स्वागत है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की इस टिप्पणी पर कि लिंगायतों के समर्थन से भाजपा के विधायकों की संख्या में इजाफा होगा, खरगे ने कहा कि इससे पता चलता है कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने जमीन पर कोई काम नहीं कियाद्ध उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा ने कोई विकास कार्य नहीं किया है।

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भारतीय टीम घोषित

» अजिंक्य रहाणे की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए टीम इंडिया का एलान हो गया है। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की टीम में वापसी हुई है। उन्हें पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद बाहर कर दिया गया था। भारतीय टीम सात से 11 जून तक होने वाले फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी।

यह मैच इंग्लैंड के ओवल में खेला जाएगा। **भारत की टेस्ट टीमः** रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

लगातार दूसरी जीत से दिल्ली जोश में आई

» सनराइजर्स हैदराबाद को 7 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 34वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की। यह मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में दिल्ली ने मेजबान टीम को 7 रन से हरा दिया। मैच की बात करें तो दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ओवर की तीसरी गेंद पर फिल साल्ट कैच आउट हो गए। इसके बाद कप्तान डेविड वॉर्नर 21 रन बनाकर कैच आउट हो गए। गौरतलब है कि मनीष पांडे और अक्षर पटेल के बीच 69 रन की साझेदारी हुई, जिसने दिल्ली को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दिल्ली ने 20 ओवर में 144 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कुछ ज्यादा ही आराम से पारी को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई। इस मैच को हैदराबाद टीम ने सात रन से हार गई। गौरतलब है कि मैच खत्म होने के बाद हैदराबाद के सिर्फ 6 विकेट ही गिरे थे। हैदराबाद की ओर से मयंक अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 39 गेंदों पर 49 रन की पारी खेली।

वॉर्नर ने की इशांत की तारीफ

मैच के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन के दौरान डेविड वॉर्नर ने कहा कि हैदराबाद के दर्शक बेहतरीन हैं। सभी ने अच्छा समर्थन किया। हमने चुनौतियों का सामना डटकर किया और दो अंक लिए। अक्षर और कुलदीप के पास अनुभव अच्छा है और मिडिल ओवर में उन्हें अच्छे से इस्तेमाल किया है। उन्होंने आगे कहा कि इशांत ने काफी मेहनत की है और बेहतरीन गेंदबाजी की है। हम अगला मैच भी जीतने की कोशिश करेंगे।

अतीक के दफ्तर को किया गया सील

» शाइस्ता की तलाश में पुलिस कर रही लगातार छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के चकिया कार्यालय को पुलिस ने सील कर दिया है। मंगलवार की सुबह पुलिस व फ रेंसिक विभाग ने घटना स्थल के एक-एक हिस्से को बारीकी से जांचा व नमूने एकत्रित किए। पुसिल सूत्रों ने बताया कि जहां पर खून के धब्बे मिले थे वहां से बदबू भी आ रही थी। पुलिस ने छानबीन जारी रखते हुए कार्यालय को सील कर दिया है।

वहीं शाइस्ता पवीन की तलाशी में छापेमारी जारी है। पुलिस ने प्रयागराज के हटुवा में दबिश डाली है। बताया जा रहा है वहां पर अशरफ का ससुराल है। ज्ञात हो कि सोमवार को जांच के लिए गई पुलिस को खून से सना चाकू और दीवारों पर खून के धब्बे मिले थे। पुलिस उपायुक्त नगर दीपक भूकर ने पत्रकारों को बताया कि अतीक के कार्यालय में खून से सना चाकू और खून से सने कपड़े मिले हैं। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने खून के नमूनों को एकत्र कर लिया है जिसका विश्लेषण किया जाएगा, उसके बाद ही पता चल सकेगा कि यह किसका खून है।

दुबई भागा अशरफ का साला

सूत्रों के मुताबिक पुलिस के कसते शिकंजे के बीच अशरफ अहमद का साला सद्दाम दुबई भाग गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वह पश्चिम बंगाल के किसी एयरपोर्ट से दुबई गया है और वह 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश है। सद्दाम बरेली जेल में अशरफ से मुलाकात करवाता रहता था और अतीक की हत्या के बाद वह देश छोड़कर भाग गया।

अतीक के वकील हनीफ को रिमांड में लेगी यूपी पुलिस

उमेश पाल मर्डर केस में अतीक अहमद के वकील रहे सौलत हनीफ की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सौलत को पुलिस कस्टडी में लेने की तैयारी कर रही है क्योंकि मामले की जांच करते समय पुलिस को इस बात के सबूत हाथ लगे हैं कि उसके फोन से असद को उमेश पाल के फोटो भेजे गए थे। शौलत, हनीफ हत्याकांड में दोषी पाए जाने के बाद प्रयागराज की नैनी जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उसको उमेश पाल अपहरण मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अब प्रयागराज के धूमनगंज थाने की पुलिस शौलत को उमेश पाल हत्याकांड में अपराधियों की हत्या की साजिश रचने और शूटरों की मदद करने को लेकर आरोपी बनाया है।

एनआइए ने दर्ज की तीन एफआइआर

एनआइए ने पिछले साल तीन अलग-अलग एफआइआर दर्ज की थी। जिसमें एफआइआर नंबर 37 में विदेश में बसे खालिस्तानी समर्थकों का उल्लेख है, जो देश में अशांति फैलाने के लिए भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। जबकि एफआइआर नंबर 38 में बंबईया गैंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमें में नीरज बवाना, कौशल और अन्य को आरोपित बनाया गया था। एफआइआर नंबर 39 में बिश्नोई, काला जाथेडी, काला राणा और इनके साथियों के नाम थे।

अतीक और अशरफ की हत्या में मेरा कोई हाथ नहीं : लॉरेंस बिश्नोई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या में अपना हाथ होने से जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने इंकार किया है। यह बात बिश्नोई ने एनआइए के द्वारा पूछताछ के दौरान बोली। गिरफ्तार तीन अपराधियों में से एक आरोपित ने बिश्नोई को अपना रोल माडल बताया था। बताते चलें, एजेंसी ने हत्याकांड के तीनों आरोपितों के पास से बरामद हथियारों के बारे में बिश्नोई से पूछताछ की थी। डॉन ब्रदर्स को मारने के लिए तुर्किए में बनी जिगाना पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था। यह वही पिस्टल है जिससे पंजाबी गायक सिद्धू सिंह मूसेवाला की हत्या की गई थी। पूछताछ में सामने आया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर सुंदर भाटी का भी बिश्नोई से संबंध है।

अमेरिकन एयरलाइंस में फिर पेशाब कांड, आरोपी गिरफ्तार

» न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही थी फ्लाइट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फ्लाइट में एक बार फिर से यात्री के ऊपर पेशाब करने का मामला सामने आया है। इस बार ये घटना अमेरिकल एयरलाइंस की न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही फ्लाइट में हुई। नशे में धुत यात्री ने दूसरे यात्री के ऊपर पेशाब कर दिया। दिल्ली पहुंचने पर एयरलाइंस ने एयरपोर्ट अधिकारियों को इसकी जानकार दी जिसके बाद यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

रविवार (23 अप्रैल) को अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट एए292 न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही थी। इसी दौरान फ्लाइट में सवार एक भारतीय नागरिक की दूसरे यात्री से बहस हो गई। आरोप है कि बहस के दौरान नशे धुत शख्स ने दूसरे यात्री के ऊपर पेशाब कर दिया. एयरलाइंस ने इस मामले में एयरपोर्ट प्रशासन को जानकार दी, जिसके बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया। यात्री के खिलाफ सिविल एविएशन एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित यात्री की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। फ्लाइट में पेशाब करने की यह पहली घटना नहीं है।

धनशोधन मामले में सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग में आरोपी कारोबारी व आम आदमी पार्टी के संचार प्रभारी विजय नायर को जमानत याचिका जल्द सूचीबद्ध कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाने की छूट दी। हाईकोर्ट ने 12 अप्रैल को नायर की जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था और मामले की आगे की सुनवाई के लिए 19 मई तय कर दी थी।

नायर ने तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने नायर की अर्जी अस्वीकार करते हुए कहा, इस मुकाम पर हम इसे नहीं सुनेंगे। शीर्ष अदालत ने भी याचिका को 19 मई तक स्थगित कर दिया।

फोटो: सुमित कुमार

जयंती उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

10 दिनों तक बढ़ेंगे कोरोना केस, फिर कम होने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में कोरोना संक्रमण को ट्रैक कर रहे लोगों का मानना है कि कोविड-19 के मामले अगले 10-12 दिनों तक बढ़ेंगे और फिर संक्रमितों की संख्या में कमी आने लगेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि संक्रमण अभी एंडेमिक स्टेज में है।

हालांकि संक्रमण में तेजी देखी जा रही है लेकिन यह कुछ ही क्षेत्रों में सीमित है। जबकि महामारी में, संक्रमण एक बड़े क्षेत्र या यहां तक कि दुनिया भर में फैल जाता है। भारत में पिछले 24 घंटों में 7,830 नए मामले दर्ज किए गए हैं जो पिछले सात महीनों में सबसे अधिक हैं। सूत्रों ने कहा कि हालांकि संक्रमण बढ़ सकता है लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या कम ही रहेगी।

गर्मी में हुआ ठंड का एहसास, वर्षा व आंधी से तापमान गिरा

मौसम विभाग ने कहा-लू से मिलेगी कुछ दिन राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार की शाम उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी व बारिश की वजह से गर्मी से आम लोगों को थोड़ी राहत मिली है। बुधवार को सुबह के समय लोगों ने ठंड का एहसास किया। आलम यह था लोगों ने गर्म कपड़ तक निकाल लिए। मौसम विभाग के अनुसार अभी तीन-चार दिन तक मौसम ऐसा ही सुहावना रहने की उम्मीद हैं।

वहीं अब लू से भी लोगों को चार-पांच दिन राहत मिलेगी। वहीं दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी से फिलहाल बनी हुई राहत अभी आगे भी जारी रहेगी। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि देश के अधिकांश हिस्सों में अगले चार पांच दिनों तक वह स्थिति नहीं ही बनेगी, जिसने पिछले सप्ताह लोगों को परेशान किया था। दिल्ली एनसीआर में भी अभी दो दिन तो वर्षा होने की संभावना है ही, इसके बाद 28-29 को फिर वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश और दूसरा आंतरिक तमिलनाडु पर बना हुआ है। अपेक्षाकृत कम दबाव की एक अक्षीय रेखा उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश से तेलंगाना होते हुए दक्षिण तमिलनाडु तक चल रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।